

प्रेषक,

भास्करानन्द,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास अनुभाग

देहरादून: दिनांक 27 मार्च, 2014

विषय:- प्राकृतिक आपदा/सी.एस.एस. (पुनर्निर्माण) मद के अन्तर्गत लोक निर्माण विभाग के सेतुओं के पुनर्निर्माण हेतु धनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या-70/XVIII-(2)/F/13-18(01)/2012, दिनांक 28 फरवरी, 2013 के संदर्भ में एवं प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, देहरादून द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2013 में आयी भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण क्षतिग्रस्त, लोक निर्माण विभाग के विभिन्न सेतुओं की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण कार्यों हेतु जनपद उत्तरकाशी क्षेत्रांतर्गत प्राकृतिक आपदा, बाढ़ एवं बादल फटने आदि से क्षतिग्रस्त पुलों के निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्था एन.बी.सी.सी. द्वारा उपलब्ध कराये गये आगणनों के सापेक्ष संदर्भित शासनादेश दिनांक 28 फरवरी, 2013 द्वारा ₹ 600.00 लाख (₹ छः करोड़ मात्र) की धनराशि बतौर मोबिलाइजेशन एडवांस जिलाधिकारी, उत्तरकाशी के निर्वर्तन पर अवमुक्त की गई थी। सम्यक विचारोपरान्त जनपद उत्तरकाशी में मै0 एन0बी0सी0सी0 द्वारा कराये जा रहे क्षतिग्रस्त पुलों के निर्माण कार्य हेतु कुल ₹ 2500.00 लाख (₹ पच्चीस करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 2- उक्तानुसार अवमुक्त की जा रही धनराशि एवं पूर्व में अवमुक्त की गई धनराशि को सम्मिलित करते हुए शासन स्तर से कुल ₹ 31.00 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। अतः जिलाधिकारी, उत्तरकाशी / प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग का दायित्व होगा कि राज्य सरकार व कार्यदायी संस्था के मध्य सम्पन्न एम.ओ.यू. का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अवशेष धनराशि सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को अवमुक्त की जायेगी, तथा समय-2 पर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को साप्ताहिक रूप से उपलब्ध कराया जायेगा।
- 3- वर्णित योजनाओं हेतु भारत सरकार द्वारा सी.एस.एस./केन्द्र पोषित सड़क एवं सेतुओं के पुनर्निर्माण से सम्बन्धित योजनाओं के सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देश, मानकों एवं नियमों का पालन किया जायेगा तथा तत्काल सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- 4- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिये यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित जिलाधिकारी/विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 5- धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किस्तों में किया जायेगा।

Eldui

- 6- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी द्वारा आंगणन पर तकनीकी स्वीकृति अवश्य प्राप्त करा ली जायेगी।
- 7- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त्युस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के सुसंगत प्राविधानों तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 8- प्रश्नगत योजनाओं पर नियमानुसार लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत विभागीय टी.ए.सी. सहित टी.ए.सी. वित्त विभाग व व्यय वित्त समिति (ई.एफ.सी.) का अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा।
- 9- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय।
- 10- सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग/आहरण एवं वितरण अधिकारी को अवमुक्त धनराशि का विवरण, बी.एम.-10 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार, उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 11- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग/जिलाधिकारी/कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 12- कार्य करने से पूर्व अनुमन्य दर सूची आधार पर गठित विस्तृत आंगणन की तकनीकी स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करने के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 13- त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2014 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- 14- विभागाध्यक्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा नामित कार्यदायी संस्था के सक्षम अधिकारी के माध्यम से प्रश्नगत चालू कार्यों का मासिक रूप से भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- 15- धनराशि का आहरण सी.सी.एल. हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- 16- उल्लिखित कार्यों/योजनाओं पर मानकानुसार यथाप्रक्रिया भारत सरकार आदि का अनुमोदन प्राप्त कर लिया जायेगा। आंगणन में स्वीकृत डिजाइन/मानक एवं दरों के अन्तर्गत होने पर ही स्वीकृत धनराशि को व्यय किया जायेगा।
- 17- प्रश्नगत योजनाओं की दूसरी किस्त उसी दशा में अवमुक्त की जायेगी जब योजनाओं की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र नियमानुसार विभाग द्वारा उपलब्ध करा दिया जायेगा तथा सभी स्वीकृतियाँ भारत सरकार आदि से प्राप्त कर ली जायेगी हैं। जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित विभाग प्रश्नगत योजनाओं के सम्बन्ध में भारत सरकार से सम्पर्क स्थापित कर सभी स्वीकृतियाँ प्राप्त कर लेंगे।

Shree

18- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-6 के लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-02-ए.सी.ए. (आपदा 2013) के अन्तर्गत सड़क एवं सेतु निर्माण हेतु अनुदान-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामे डाला जायेगा।

19- यह आदेश वित्त विभाग के अ.प.सं.-158 P/XXVII(5)/2014, दिनांक 27 मार्च, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(भास्करानन्द)
सचिव

संख्या-434(1)/XVIII-(2)/F/14-12(09)/2014, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी गढ़वाल।
- 4- निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- अपर सचिव, वित्त एवं व्यय अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 7- अपर महाप्रबन्धक, एन0बी0सी0सी0, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 8- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/उत्तरकाशी।
- 9- प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 10- बजट अधिकारी, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय उत्तराखण्ड।
- 11- राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 12- प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 14- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(भास्करानन्द)
सचिव